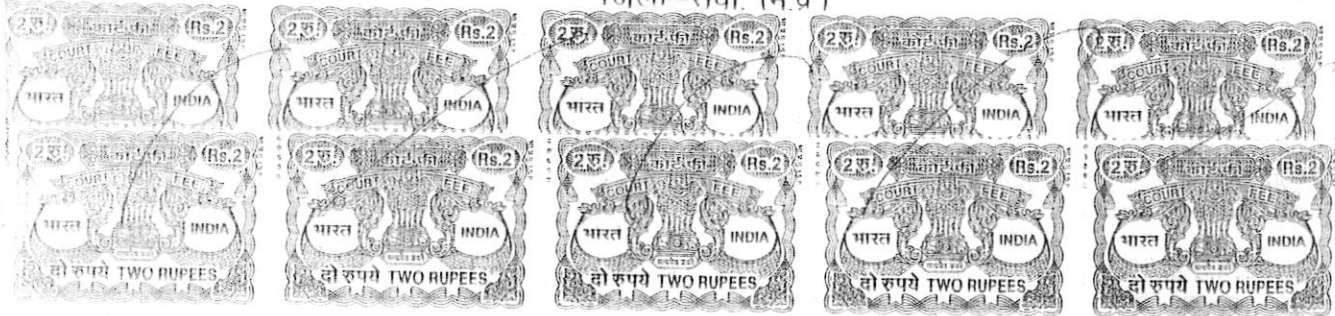


179

न्यायालय श्रीमान् राजस्व मण्डल ग्वालियर, मध्यप्रदेश, सर्किट कोर्ट रीवा,
R. 5053-दास

जिला-रीवा (म.प्र.)



प.प. 201-

विश्वनाथ प्रसाद पिता श्री मनकामना प्रसाद ब्राह्मण, उम्र 70 वर्ष, पेशा कृषि, निवासी
ग्राम पटहट, तहसील जवा, जिला रीवा, (म.प्र.)

..... आवेदक/अपीलार्थी

बनाम

रमाकान्त तिवारी पिता श्री जगदीश प्रसाद तिवारी, निवासी ग्राम पटहट, तहसील जवा,
जिला रीवा, (म.प्र.)

..... अनावेदक/उत्तरवादी

अपील विरुद्ध आदेश अपर आयुक्त महोदय,
रीवा संभाग, रीवा, (म0प्र0) के प्रकरण क्र.
235/अपील/2015-16 में पारित आदेश
दिनांक 25.01.2016

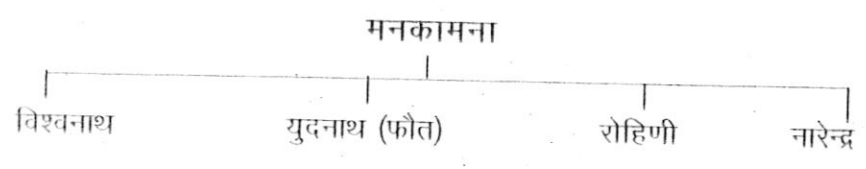
अपील अन्तर्गत धारा 44(1)(G) मध्यप्रदेश
भू-राजस्व संहिता 1959 ईस्वी।

श्री. राजीव प्रसाद ब्राह्मण एडवोकेट
द्वारा आज दिनांक 05-2-16 को
पसकृत किया गया।
[Signature]
सर्किट कोर्ट रीवा

मान्यवर,

अपील के आधार निम्नलिखित हैं :-

1. यह कि आराजी नं. 254, ग्राम पटहट, पटवारी हल्का इटमा, तहसील जवा, जिला रीवा, म0प्र0 में स्थित है। उक्त भूमि अपीलार्थी के पिता मनकामता प्रसाद के नाम पर थी। अपीलार्थी चार भाई थे जिनका सजरा निम्न है :-



[Signature]

स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों एवं अभिभाषकों आदि के हस्ताक्षर
18-7-17.	<p>1- प्रकाश पेशा।</p> <p>2- आवेदक तथा अभिभाषक की प्रकाश करावी गयी किन्तु सूचना उपरांत लगातार तीन पेशियों से उपाक्षित नहीं हो रहे हैं।</p> <p>3- अनवेदक की ओट से जी रामनेरा मित्रा एडवोकेट। उनके द्वारा लिखे जागजात अडवात अभिलेख प्रस्तुत किया गया है जिसे रस प्रकाश के साथ संलग्न किया गया।</p> <p>4- यदि आवेदक सूचना उपरांत उपाक्षित नहीं है। अतः संहिता की धारा 35(2) के तहत प्रकाश अडम पेशी में स्थापित किया जाता है।</p> <p>5- आदेश की प्रती अर्थात् धातु को गैरी जावे, तलश्चात प्रकाश पेशी से लगाए होकर हटाने।</p>	<p>62/2</p> <p>अप्रकाशित</p> <p><i>[Signature]</i></p> <p>सदस्य</p>

M